

---

# Shri Chandrashekharendrasarasvati Chaturdashamanjarika Stotram

---

श्री चन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वती चतुर्दशमञ्जरिकास्तोत्रम्

---

## Document Information

---



---

Text title : Chandrashekharendrasarasvati Chaturdashamanjarika Stotram

File name : chandrashekharendrasarasvatIchaturdashamanjarika.itx

Category : deities\_misc, gurudev, dashaka, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Author : S. Chandrasekharan

Transliterated by : S. Chandrasekharan

Proofread by : S. Chandrasekharan

Latest update : January 16, 2026

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 16, 2026

*sanskritdocuments.org*

---



श्री चन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वती चतुर्दशमञ्जरिकास्तोत्रम्



देशिकं भवरोगघ्नं चन्द्रशेखर सद्गुरुम् ।  
सुब्रह्मण्यात्मजं वन्दे सर्वलोकहितङ्करम् ॥ १ ॥

श्री कामकोटिपीठस्थं जन्मदुःखविनाशकम् ।  
स्वामिनाथगुरुं वन्दे शरणागततरक्षकम् ॥ २ ॥

त्रिकालज्ञानसम्पन्नं त्रिपुराम्बाप्रपूजकम् ।  
महादेवगुरोःशिष्यं वन्दे मधुरभाषिणम् ॥ ३ ॥

दण्डस्तं दयासिन्धुं दक्षिणामूर्तिरूपिणम् ।  
देहाभिमानहीनं तं दीनबन्धुमहं भजे ॥ ४ ॥

शिष्यानुग्रहकर्तारं महालक्ष्मीसुतं गुरुम् ।  
काषायधारिणं वन्दे काञ्चीनगरवासिनम् ॥ ५ ॥

श्री जयेन्द्रसरस्वत्या स्वर्णपुष्पैः सुपूजितम् ।  
ज्ञानमार्गोपदेष्टारं तं नमामि जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥

शिष्याणान्तापहन्तारं सर्वशास्त्रविशारदम् ।  
नमामि सुलभं शान्तं काञ्चीपुरनिवासिनम् ॥ ७ ॥

मन्दस्मितं महाश्रेष्ठं मोक्षमार्गप्रकाशकम् ।  
सङ्गीतरसिकं वन्दे सर्वपापप्राणाशकम् ॥ ८ ॥

शतायुर्ज्वितं शिष्टं सर्वसिद्धिप्रदायकम् ।  
गोरक्षाकारं वन्दे कामकोटिगुरुं परम् ॥ ९ ॥

वेदवेदान्ततत्त्वज्ञं योगलिङ्गप्रपूजकम् ।  
प्रणामि परयाभक्त्या परमानन्ददायकम् ॥ १० ॥

कैवल्यपददातारं संसारार्णवतारकम् ।  
“मैत्री भजत” गीतस्थ कर्तारं प्राणाम्यहम् ॥ ११ ॥

भस्मोद्धूलितसर्वाङ्गं भवबन्धविमोचकम् ।  
अपारकरुणामूर्तिभाचार्यं मणिमाश्रये ॥ १२ ॥

श्रीरामनाममन्त्रस्य लेखकानां च पोषकम् ।  
काशिकासेतुपर्यन्तं पादयात्राकृतं भजे ॥ १३ ॥

योगमूर्तिं धर्मनिष्ठं काष्ठमौनपरायणम् ।  
अतिरुद्रादियज्ञानाम्पोषकं प्रणमाम्युभम् ॥ १४ ॥

एत्थं विरचितं स्तोत्रं चन्द्रशेखरशर्मणम् ।  
जन्मसाकृत्यसिद्धयर्थं गुरुरूपदे समर्पितम् ॥ १५ ॥

एति श्रीचन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वती चतुर्दशमञ्जरिकास्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Composed, entered, and proofread by S. Chandrasekaran

---

——  
*Shri Chandrashekharendrasarasvati Chaturdashamanjarika Stotram*  
pdf was typeset on January 16, 2026

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

